# Chapter-3

https://parikshasolutions.blogspot.com

जल संसाधन — जल एक नवीकरण योग्य संसाधन है। हम जानते है कि जल कभी न समाप्त होने वाला संसाधन है।

पृथ्वी पर $\frac{3}{4}$ भाग पर जल है।
लेकिन पीने योग्य जल बहुत कम है।

जल दुर्लभता क्या है इसके मुख्य कारण क्या है?

Ans- हम जानते है कि जल कभी न समाप्त होने वाला संसाधन है। लेकिन जल की अधिकतम माँग एवं जल के गलत उपयोग के कारण जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है तथा जल की कमी हो रही है। जल की कमी को इस समस्या को जल दुर्लभता कहते है।

मुख्य कारण —

(i) जनसंख्या वृद्धि के कारण जल की कमी हो रही।
(ii) पेड़ पौधों की कटाई के कारण वर्षा नहीं हो रही है और जल की कमी हो रही है।
(iii) आवश्यता से अधिक खेत की सिंचाई करने में
(iv) बिजली उत्पादन के लिए भी एक बड़ी मात्रा में जल की आवश्यकता होती है जिससे जल की कमी होती है।
(v) उद्योग और कारखानों में बहुत पानी लगता है। जिससे जल की कमी होती है।

Note- जल संसाधनो का संरक्षण और प्रबंधन क्यो आवश्यक है उसके तीन कारण लिखिए।

Ans- इसमें जल दुर्लभता के कारण लिखना है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

बाँध किसे कहते है? उसके लाभ और हानि बताओ।

Ans- जल को रोकने, दिशा देने या बहाव कम करने के लिए खड़ी की गई बाधा को बाँध कहते है।
जो आमतौर पर जलाशय, झील अथवा जलभरण बनाती है। नदी परियोजना से
लाभ - (i) यह जल सिंचाई के काम आता है।
(ii) इससे जल को उद्योग और कारखानो तक पहुँचाया जाता है।
(iii) मनोरंजन के लिए।
(iv) मछली पालन जैसे उद्योग के
(v) विद्युत उत्पादन के लिए

हानि - नदी परियोजना से हानि -
(i) बाँध के मैदान में बनाए जाने वाले बाँध वहाँ के मौजूद वनस्पति एवं मृदा को जल में डुबा देती है।
(ii) स्थानीय समुदायों का वृहद स्तर पर विस्थापन
(iii) भूकम्प की सम्भावना
(iv) इसके कारण जल का तलछट बहाव कम हो जाता है।
(v) नदी जलीय जीव आवासो में भोजन की कमी हो जाती है।
(vi) स्थानीय लोगो का विस्थापन।

Note - जवाहर लाल नेहरू ने बाँधों को आधुनिक भारत का मंदिर क्यो कहा? इसके चार लाभ - बाँध के लाभ ही इसका उत्तर है।

Ans -

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

व्याख्या करें कि जल किस प्रकार नवीकरणीय योग्य संसाधन है —

Ans:- जल एक नवीकरण योग्य संसाधन है क्योंकि जल एक बार प्रयोग करने पर समाप्त नहीं होता है। हम इसका बार-बार प्रयोग कर सकते है।
जैसे - जल का प्रयोग यदि उद्योगों में या घरेलू कामकाज में किया जाता है। तो इससे जल दूषित हो जाता है किंतु समाप्त नहीं होता इस जल को साफ करके फिर से इस्तेमाल करने योग्य बनाया जा सकता है।

बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाले लाभ और हानि की तुलना करें —

Ans:- नदियों पर बाँध बनाकर एक साथ कई उद्देश्यों को पूरा किया जाता है। जैसे- बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, मत्स्य मत्स्य पालन। ऐसी योजनाओं को बहुउद्देशीय योजनाएँ कहते है।

Note - इनके लाभ पिछले पेज पर है।

www.notesdrive.com

टंकी = टाँका / टैंक

PAGE NO.
DATE: / /

https://parikshasolutions.blogspot.com

राजस्थान की अर्धशुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण किस प्रकार किया जाता है।

Ans- (i) राजस्थान की अर्ध शुष्क क्षेत्रों में रहने वाले लोग घर के छत को ढलवां बनाते हैं।

(ii) वहाँ के लोग ~~वर्षा के~~ घर में या आँगन में एक बहुत बड़ा भूमिगत टंकी बनाते हैं।

(iii) घर के छत से एक पाइप टंकी तक जुड़ा होता है।

(iv) वर्षा का पहला जल छत, टंकी और नली इत्यादि धोने में लगा देते हैं और वर्षा का पहला पानी का संग्रहण किया जाता था।

(v) टंकी में एक फिल्टर मशीन लगा देते हैं जो पानी को साफ करता है।

(vi) राजस्थान के लोग इस पानी का उपयोग कई दिनो तक कर पाते हैं। इस प्रकार राजस्थान के लोग वर्षा जल संग्रहण करते हैं।

वर्षा जल संग्रहण क्या है इसके उद्देश्य एवं लाभ-

Ans- वर्षा जल संग्रहण — वर्षा के जल को किसी खास माध्यम से इकट्ठा करना तथा बाद में इसका उपयोग करना वर्षा जल संग्रहण कहलाता है।

उद्देश्य एवं लाभ — (i) वर्षा जल संग्रहण करके हम लोग इसका उपयोग गर्मियों के दिनो में कर सकते हैं।

(ii) वर्षा जल संग्रहण करके भौम जल स्तर बढ़ाया जा सकता है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(iii) किसी कारण यदि किसी साल वर्षा कम हो तो हम लोग इस पानी से खेतों की सिंचाई कर सकते है।

(iv) वर्षा के दिनो में रोड जल से पूरी तरह से भर जाते है अतः वर्षा जल संग्रहण करके रोड को जल्द से पूरी तरह से भरने से रोका जा सकता है।

~~जल~~ वर्षा जल संग्रहण की विधियाँ —

(i) एक तकनीक जिसमें वर्षा जल को खाली स्थानों, घरो के टैंको में भरा जाता है। बाद में इसका प्रयोग किया जाता है।

(ii) पर्वतीय क्षेत्रो में गुल तथा कुल जैसी वहिकाओं से नदी की धारा का रास्ता बदलकर खेतो की सिंचाई।

(iii) राजस्थान में पीने का जल एकत्रित करने के लिए छत वर्षा जल संग्रहण तकनीक है।

(iv) पश्चिम बंगाल में बाढ़ के दौरान बाढ़ जल वहिकाएँ बनाते है।

(v) नदी पर बाँध बनाकर ~~अनेक~~ अनेक प्रकार के उद्देश्यों की पूरी को ~~नदी~~ नदी घाटी परियोजना कहते है।

www.notesdrive.com